फर्जी रजिस्ट्री का बड़ा खेल : साइबर तहसील को भी मात

करोड़ों की जमीन पर डाका, प्रशासन सोता रहा, ठग करते रहे खेल : करोड़ों की जमीन पर फर्जी रजिस्ट्री

नवभारत न्यूज

पोहरी, 25 मार्च। शिवपुरी जिले की पोहरी तहसील के ग्राम जाखनौद में सामने आए फर्जी रजिस्ट्री के सनसनीखेज मामले ने प्रशासनिक व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। डिजिटल पारदर्शिता और तेजी के उद्देश्य से शुरू की गई 'साइबर तहसील' प्रक्रिया को ही ठगों ने अपना हथियार बना लिया और कथित फर्जी दस्तावेजों के जरिए करोड़ों की कृषि भूमि पर कब्जे की साजिश रच डाली।जानकारी के अनुसार, गांव के ही मुकेश आदिवासी ने कथित रूप से अपने पिता का नाम बदलकर खुद को भूमि का वैध मालिक दर्शाया। इसके बाद सुभरन आदिवासी, रवि धाकड़ और मनोज धाकड़ के साथ मिलकर एक सुनियोजित षड्यंत्र रचा गया। आरोप है कि 25 सितंबर 2025 को सर्वे नंबर 206, रकबा 1.62 हेक्टेयर भूमि का कूटरचित विक्रय पत्र तैयार कराया गया, जिसमें भूमि को मात्र 12 लाख रुपये में बेचने का उल्लेख किया गया।

चौंकाने वाली बात यह है कि इसके बाद 28 अक्टूबर 2025 को साइबर तहसील के माध्यम से नामांतरण का आदेश भी हासिल कर लिया गया। यानी फर्जी दस्तावेजों के आधार पर न केवल रजिस्ट्री हुई, बल्कि सरकारी ऑनलाइन सिस्टम से नामांतरण भी करवा लिया गया, जो पूरी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है।सब-रजिस्ट्रार कार्यालय पर सवाल

इस पूरे मामले में सबसे बड़ी लापरवाही या संभावित मिलीभगत सब-रजिस्ट्रार कार्यालय की भूमिका पर दिखाई दे रही है। बिना पर्याप्त जांच-पड़ताल के संदिग्ध दस्तावेजों का पंजीयन होना बेहद गंभीर मामला है। बताया जा रहा है कि दस्तावेजों में लगे फोटो और हस्ताक्षर तक संदिग्ध हैं, इसके बावजूद रजिस्ट्री होना जांच व्यवस्था की कमजोरी को उजागर करता है।

पहले भी उठ चुके हैं सवाल: गौरतलब है कि यह पहला मामला नहीं है। कुछ माह पूर्व भी पोहरी क्षेत्र में इसी तरह की फर्जी रजिस्ट्री का मामला सामने आया था, लेकिन जांच के नाम पर केवल औपचारिकता निभाई गई। ठोस कार्रवाई के अभाव में अब ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति होना प्रशासन की कार्यशैली पर प्रश्नचिह्न लगा रहा है।

स्थिति गंभीर, आगे बिक्री की तैयारी: फर्जी विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण कराने के बाद अब संबंधित भूमि को आगे बेचने की कोशिश की खबरें सामने आ रही हैं। यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई, तो वास्तविक हकदार के लिए न्याय पाना और मुश्किल हो सकता है।

प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल: पूरे मामले में प्रशासन की चुप्पी सबसे बड़ा सवाल बनकर उभर रही है। आखिर बिना ठोस सत्यापन के इस तरह की रजिस्ट्री और नामांतरण कैसे संभव हो रहे हैं? क्या यह महज लापरवाही है या फिर एक सुनियोजित गठजोड़?

न्याय की गुहार: पीड़ित पक्ष ने अब न्यायालय का दरवाजा खटखटाने का निर्णय लिया है। साथ ही प्रशासन से मांग की है कि संबंधित भूमि पर किसी भी नए विक्रय पत्र के निष्पादन पर तत्काल रोक लगाई जाए और पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। यह मामला न केवल एक व्यक्ति की जमीन से जुड़ा है, बल्कि पूरे सिस्टम की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा करता है। अगर समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो 'साइबर तहसील' जैसी व्यवस्था पर जनता का भरोसा डगमगा सकता है।

इनका कहना है...

मेरी जमीन को कुछ लोगों ने हड़पने का प्रयास किया है, मैने प्रशासन से निष्पक्ष जांच करने की मांग की है, मैने प्रशासन से मांग की है कि जिन लोगों ने भी मेरे साथ ऐसा काम किया है, उन लोगों पर सख्त से सख्त कार्यवाही की जाए, थाने में एफआईआर की जाए।

मुकेश आदीवासी, शिकायत कर्ता

मामला मेरे संज्ञान में आया है में दिखवा लेता हूं, यदि फर्जी तरीके से रजिस्ट्री हुई है तो मामले की जांच करवाकर दोषियों पर कार्यवाही की जाएगी।

अनुपम शर्मा, एसडीएम

शिवपुरी 5वीं में 16वें, 8वीं में 32वें स्थान पर

नवभारत न्यूज

शिवपुरी, 25 मार्च। मध्य प्रदेश राज्य शिक्षा केंद्र ने बुधवार को कक्षा 5वीं और 8वीं का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने वल्लभ भवन में एक कार्यक्रम में बटन दबाकर परिणाम जारी किए। इस बार प्रदेश में 5वीं का उत्तीर्ण प्रतिशत 95.14 प्रतिशत और 8वीं का 93.83त्न रहा। हालांकि, शिवपुरी जिला दोनों कक्षाओं में प्रदेश के टॉप-10 जिलों से बाहर रहा।

प्रदेश स्तर पर जारी इन परिणामों में छात्राओं ने छात्रों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। कक्षा 8वीं के परिणाम में शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह का गृह जिला नरसिंहपुर प्रदेश में पहले स्थान पर रहा। शिवपुरी जिले के प्रदर्शन की बात करें तो कक्षा 5वीं में जिले का प्रदर्शन औसत से बेहतर रहा।

यहां कुल 37,755 छात्र परीक्षा में शामिल हुए, जिनमें से 36,614 छात्र उत्तीर्ण हुए। इस प्रकार जिले का उत्तीर्ण प्रतिशत 96.98 प्रतिशत दर्ज किया गया और इसे प्रदेश में 16वां स्थान मिला। वहीं, कक्षा 8वीं में जिले का प्रदर्शन कमजोर रहा। इस कक्षा में कुल 30,287 छात्र परीक्षा में बैठे, जिनमें से 28,411 छात्र सफल हुए। जिले का उत्तीर्ण प्रतिशत 93.81 प्रतिशत रहा और इसे प्रदेश में 32वां स्थान प्राप्त हुआ, जिसके कारण शिवपुरी टॉप-10 जिलों की सूची से बाहर रहा। प्रदेश स्तर पर जहां 5वीं में 95.14 प्रतिशत और 8वीं में 93.83 प्रतिशत छात्र पास हुए हैं, वहीं शिवपुरी का 5वीं में प्रदर्शन राज्य औसत से बेहतर रहा। हालांकि, 8वीं कक्षा के परिणामों में जिले को सुधार की आवश्यकता दिखाई दे रही है। जिला शिक्षा केंद्र के डीपीसी दफेदार सिंह सिकरवार ने सभी सफल छात्रों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि 5वीं में पोहरी विकासखंड और 8वीं में शिवपुरी विकासखंड ने बेहतर प्रदर्शन किया है। सिकरवार ने इन परिणामों को शिक्षकों और विद्यार्थियों की मेहनत का फल बताया और आगामी सत्र में और बेहतर परिणाम लाने के लिए शिक्षकों से अधिक मेहनत तथा गुणवत्ता सुधार पर विशेष ध्यान देने की अपील की।

खड़ीचा में श्रीराम प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव की धूम

करैरा से निकली भव्य शोभायात्रा

नवभारत न्यूज

करैरा, 25 मार्च। जिले के करैरा अनुभाग अंतर्गत ग्राम खड़ीचा में भगवान श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा एवं महायज्ञ को लेकर तैयारियां पूरे उत्साह के साथ जारी हैं। बुधवार को जयपुर से भगवान श्रीराम की मूर्तियां करैरा पहुंचीं, जहां हजारों श्रद्धालुओं ने गाजे-बाजे, ढोल-नगाड़ों और भजन-कीर्तन के साथ उनका भव्य स्वागत किया। श्रद्धालु नाचते-गाते शोभायात्रा के रूप में ग्राम खड़ीचा के लिए रवाना हुए।

कृषि उपज मंडी प्रांगण, करैरा में सुबह 9 बजे से ही भक्तों का जुटना शुरू हो गया था। शंखनाद के साथ प्रारंभ हुई यह शोभायात्रा करैरा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए करही-नरवर मार्ग के जरिए ग्राम खड़ीचा पहुंची। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था।

आयोजन समिति के अनुसार, ग्राम खड़ीचा में 1 मई से 8 मई तक विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान नवचंडी पाठ, दुर्गा पाठ सहित अनेक अनुष्ठान संपन्न होंगे। वृंदावन धाम से पधार रहे श्री कृष्णचंद्र ठाकुर जी एवं भागवत भाष्कर आचार्य जी द्वारा प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराया जाएगा। महोत्सव के समापन अवसर पर 8 मई को 11 कन्याओं का सामूहिक विवाह कराया जाएगा। इसके साथ ही पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे का आयोजन होगा, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। आयोजन समिति ने क्षेत्र के धर्मप्रेमी बंधुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर श्रीराम प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव एवं अन्य धार्मिक कार्यक्रमों में सहभागिता कर पुण्य लाभ अर्जित करें।

शिवपुरी से आप विधायक गिरफ्तार, रेप केस में फरार थे

पंजाब पुलिस ने बिना सूचना दिए की कार्रवाई, 3 साथियों को भी पकड़ा

नवभारत न्यूज

शिवपुरी, 25 मार्च। पंजाब के पटियाला की पुलिस ने दो साल पुराने रेप केस में 6 महीने से फरार चल रहे आम आदमी पार्टी के विधायक हरमीत पठानमाजरा को मध्य प्रदेश के ग्वालियर-शिवपुरी बायपास से गिरफ्तार किया है। वे पंजाब की सनौर सीट से पहली बार विधायक बने थे। भगोड़ा घोषित किए जा चुके और ऑस्ट्रेलिया भाग गए विधायक को पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के लिए भारत लौटने के 5 दिन बाद दो दिन के लगातार ऑपरेशन के बाद पकड़ा है। इस कार्रवाई के दौरान उनके 3 साथियों को भी हिरासत में लिया गया है और पटियाला पुलिस की टीम आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए सभी को अपने साथ पंजाब ले गई है। शिवपुरी एसपी अमन सिंह राठौड़ ने बताया कि इस संबंध में शिवपुरी पुलिस को कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई थी।

हरमीत पठानमाजरा दो साल पुराने रेप केस में वांछित थे और पिछले छह महीने से फरार चल रहे थे। उनके खिलाफ लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) भी जारी किया गया था। जानकारी के अनुसार, पुलिस कार्रवाई से बचने के लिए वह ऑस्ट्रेलिया भाग गए थे और हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के लिए पांच दिन पहले ही भारत लौटे थे। पटियाला पुलिस ने शिवपुरी जिले में दो दिन के सुनियोजित ऑपरेशन के बाद उन्हें पकड़ा। विधायक को उस समय दबोचा गया, जब वह ग्वालियर से शिवपुरी की ओर आने वाले

बायपास हाईवे से गुजर रहे थे। पुलिस ने विधायक के साथ मौजूद उनके तीन साथियों को भी हिरासत में लिया है। पटियाला के एसएसपी वरुण शर्मा ने बताया कि आरोपी विधायक को कोर्ट द्वारा भगोड़ा घोषित किया जा चुका था। इसी कारण इस गिरफ्तारी के दौरान स्थानीय पुलिस को सूचना देना आवश्यक नहीं था। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि विधायक भगोड़ा घोषित नहीं होते, तो स्थानीय पुलिस को सूचित करना अनिवार्य होता। एसएसपी के मुताबिक, यह पूरी कार्रवाई एक सुनियोजित ऑपरेशन का हिस्सा थी, जिसमें दो दिन की लगातार ट्रैकिंग के बाद पुलिस टीम को सफलता मिली। टीम ने सीधे कार्रवाई करते हुए विधायक को शिवपुरी से गिरफ्तार किया और उन्हें पंजाब ले गई है, जहां अब मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया की जा रही है।

एडमिशन के नाम पर 20 हजार की ठगी

फिर भी नहीं मिला प्रवेश एसपी से कहा-कार्रवाई की जाए

नवभारत न्यूज

शिवपुरी, 25 मार्च। पोहरी तहसील निवासी अंकेश वर्मा ने डीएलएड कॉलेज में प्रवेश दिलाने के नाम पर 20 हजार रुपए की ठगी का आरोप लगाया है। इस संबंध में उन्होंने पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। आरोप जे.बी. इंस्टीट्यूट के संचालक वीरेन्द्र धाकड़ पर लगाया गया है।

आवेदन के अनुसार, अंकेश वर्मा से डीएलएड में प्रवेश के लिए 20 हजार रुपए नकद लिए गए थे। उन्होंने प्रवेश प्रक्रिया के लिए अपनी 10वीं-12वीं की मार्कशीट और टीसी सहित अन्य जरूरी दस्तावेज भी संस्थान को सौंप दिए थे। पीड़ित का आरोप है कि सत्र 2025-26 में उनका प्रवेश नहीं कराया गया और न ही समय पर इसकी जानकारी दी गई। साथ ही अब तक उनकी जमा राशि भी वापस नहीं की गई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शिकायत न करने के लिए उन पर दबाव बनाया जा रहा है। वहीं, इस मामले में संस्थान संचालक वीरेन्द्र धाकड़ का कहना है कि सर्वर डाउन होने के कारण प्रवेश प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी और वे समय पर अभ्यर्थी को इसकी सूचना नहीं दे पाए। फिलहाल, अंकेश वर्मा ने पुलिस से राशि वापस दिलाने और दोषी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

31वां ओशो ध्यान शिविर 28 मार्च से, देशभर के 200 साधक होंगे शामिल

स्वामी आनंद एकांत करेंगे संचालन

नवभारत न्यूज

शिवपुरी, 25 मार्च। आध्यात्मिक साधना, ध्यान और आंतरिक ऊर्जा के जागरण का केंद्र बनने जा रहा शिवपुरी, जहां 28 से 31 मार्च तक 31वां ओशो ध्यान साधना शिविर आयोजित होगा। रातौर रोड स्थित शिव रिसोर्ट में आयोजित इस चार दिवसीय शिविर में देशभर से लगभग 200 ओशो प्रेमी भाग लेकर ध्यान, नृत्य और साधना के माध्यम से आत्मिक अनुभूति प्राप्त करेंगे। इस शिविर का संचालन विश्व विख्यात ओशो शिविर संचालक स्वामी आनंद एकांत द्वारा किया जाएगा। आयोजन ओशो परिवार शिवपुरी के तत्वावधान में किया जा रहा है। शिविर के प्रमुख आयोजक राजकुमार बिंदल (स्वामी देवबंधु), प्रमुख प्रबंधक गोपाल जी स्वर संगम (स्वामी निखिल आनंद) एवं मीडिया प्रभारी डॉ. भूपेन्द्र विकल (स्वामी कृष्ण आनंद) ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और उत्तरप्रदेश सहित कई राज्यों से साधकों ने पंजीयन कराया है।

सुबह 5 बजे से रात 11 बजे तक साधना: शिविर का शुभारंभ 28 मार्च को दोपहर 1 बजे होगा। प्रतिदिन सुबह 5 बजे से रात्रि 8:30 बजे तक विभिन्न ध्यान सत्र आयोजित होंगे, जिनमें नृत्य, ध्यान, साधना और ओशो के प्रवचनों (ऑडियो-वीडियो) के माध्यम से साधकों को आध्यात्मिक अनुभूति कराई जाएगी। रात्रि 9 बजे से 11 बजे तक जोरवा ध्यान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। 31 मार्च को दोपहर 12 बजे ओशो सन्यास महोत्सव के साथ शिविर का समापन होगा।

1990 से निरंतर जारी परंपरा: ओशो परिवार शिवपुरी द्वारा वर्ष 1990 से लगातार इस प्रकार के ध्यान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। अब तक 29 से अधिक शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हो चुके हैं, जिनमें देश के अनेक प्रसिद्ध ओशो साधकों का मार्गदर्शन मिला है। इनमें प्रमुख रूप से स्वामी विजय आनंद, स्वामी आनंद वैराग्य, स्वामी चेतन कीर्ति, स्वामी ज्ञानअनुग्रह, स्वामी गोविंद, मां राबिया, मां आभा, स्वामी जगदीश अंतर, मां प्रेम अजस्था, मां मीरा, स्वामी अशोक भारती, स्वामी शशिकांत सदैव, मां ओसीन सहित अनेक प्रमुख नाम शामिल रहे हैं।

शिवपुरी में सक्रिय ध्यान केंद्र करीब 20 वर्ष पूर्व स्वामी प्रेमप्रकाश (प्रकाश सिरोलिया) द्वारा ग्वालियर बायपास स्थित इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में ओशो ध्यान केंद्र की स्थापना की गई थी। यहां प्रतिदिन सुबह 6 से 8 बजे तक ध्यान साधना एवं प्रत्येक रविवार को शाम 6 से रात 8:30 बजे तक सत्संग आयोजित किया जाता है।

देश-विदेश तक सक्रिय है शिवपुरी का ओशो परिवार: शिवपुरी का ओशो परिवार आज 80 से अधिक सक्रिय स्वामी, मां और साधकों का समूह बन चुका है, जो देशभर में आयोजित शिविरों के साथ-साथ नेपाल, होशियारपुर, पुणे और गोवा स्थित ओशो आश्रमों में भी साधना हेतु नियमित रूप से जाते हैं।

भंडारे में बवाल, 15-20 दबंगों ने लाठी-डंडों से किया हमला

नवभारत न्यूज

शिवपुरी, 25 मार्च। सुरवाया थाना क्षेत्र के करई गांव में हनुमान मंदिर के पास चल रहे भंडारे में भजन बदलने को लेकर विवाद हो गया। मंगलवार रात करीब 1 बजे कुछ लोगों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिसमें एक युवक का हाथ फैक्चर हो गया। हमलावरों ने नगदी और सामान भी लूटा तथा तोड़फोड़ की। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है।

ग्राम धुआनी के ग्रामीणों द्वारा मां बलारी मैया मेले के तहत 23 मार्च से करई गांव के हनुमान मंदिर के पास भंडारे का आयोजन किया जा रहा था। 25 मार्च की रात लगभग 1 से 2 बजे के बीच डीजे पर भजन चल रहे थे, तभी ग्राम भगौरा निवासी रिंकू गुर्जर और सतीश गुर्जर अपने 15-20 साथियों के साथ भंडारे स्थल पर पहुंचे। गांव के दयालाल धाकड़ के अनुसार, आरोपी डीजे पर बज रहे भजन को बंद करवाकर रसिया गीत चलवाने की मांग कर रहे थे। जब उनकी बात नहीं मानी गई, तो उन्होंने गाली-गलौज शुरू कर दी, जिससे विवाद बढ़ गया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस हमले में आकोश धाकड़ गंभीर रूप से घायल हो गया और उसका हाथ फैक्चर हो गया। उसकी सोने की चेन भी छीन ली गई। हमलावरों ने मुकेश धाकड़ के पास रखे भंडारे के लगभग 30 हजार रुपये भी लूट लिए। इसके अतिरिक्त, भंडारे में रखा अन्य सामान, तेल की कट्टियां भी उठा ले गए और डीजे, लाइट तथा कुर्सियों में तोड़फोड़ की। घटना के दौरान वहां मौजूद अन्य लोग अपनी जान बचाकर भागे।

पटेल पार्क के कर्मचारियों की ईमानदारी ने जीता दिल

दो घंटे की मेहनत के बाद पर्यटक की सोने की चेन लौटाई

नवभारत न्यूज

शिवपुरी, 25 मार्च। शहर के वार्ड 31 स्थित पटेल पार्क में कर्मचारियों ने ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा की ऐसी मिसाल पेश की, जिसने हर किसी का दिल जीत लिया। गुरुग्राम गुड़गांव से शिवपुरी घूमने आई महिला पर्यटक मंजरी भटनागर की एक तोला वजनी सोने की चेन पार्क में घूमते समय अचानक कहीं गिरकर खो गई।

शाम के समय चेन गुम होने के बाद मंजरी भटनागर ने अपने स्तर पर काफी तलाश की, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। मामला पार्क कर्मचारियों के संज्ञान में आते ही उन्होंने तत्परता दिखाते हुए पूरे पार्क को खाली करवाया और सघन खोज अभियान शुरू किया। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आखिरकार कर्मचारियों को चेन मिल गई। इसके बाद उन्होंने तुरंत मंजरी भटनागर को सूचना दी। जैसे ही उन्हें अपनी खोई हुई चेन मिलने की खबर मिली, उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। मंजरी भटनागर तुरंत पार्क पहुंचीं, जहां कर्मचारियों ने उनकी चेन उन्हें सुरक्षित रूप से सौंप दी। अपनी खोई हुई कीमती वस्तु वापस पाकर उन्होंने भावुक होते हुए पार्क कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आज के समय में इस तरह की ईमानदारी देखना दुर्लभ है और पटेल पार्क के कर्मचारियों ने एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है।

माता की मूर्ति तोड़ने का आरोप, गांव में तनाव

शिवपुरी। इंदार थाना क्षेत्र के कुटवारा गांव में मंगलवार रात करीब 9:30 बजे मंदिर की माता की प्रतिमा तोड़ने का मामला सामने आया। घटना के समय कुछ ग्रामीण मंदिर के बाहर बैठे थे, तभी गांव का निवासी दानवीर जाटव वहां पहुंचा। ग्रामीणों के अनुसार दानवीर जाटव ने गाली-गलौज करते हुए मूर्ति तोड़ने की धमकी दी और एक बड़ा पत्थर उठाकर मूर्ति पर फेंक दिया, जिससे वह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना का वीडियो भी ग्रामीणों ने बनाया। महिलाओं ने आरोपी को पकड़कर मंदिर से बाहर निकाला, लेकिन वह फरार हो गया। घटना के बाद से गांव में तनाव का माहौल है। बुधवार सुबह ग्रामीण और हिंदू संगठन के सदस्य थाने पहुंचे। उन्होंने आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी और उसके घर पर बुलडोजर कार्रवाई की मांग की। अभी तक पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं की है। इंदार थाना प्रभारी विवेक यादव से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई।

शिवपुरी का मेगा हेल्थ कैंप इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज, सिंधिया बोले- सेवा ही सच्चा धर्म

नवभारत न्यूज

शिवपुरी, 25 मार्च। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री तथा गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया के विजन और मार्गदर्शन में शिवपुरी की पावन धरा पर श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्वास्थ्य सेवा मिशन, रोटरी रीजनल मेडिकल मिशन और मध्य प्रदेश शासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर ने सेवा और समर्पण का एक नया इतिहास रच दिया है। 17 से 24 मार्च 2026 तक चले इस भव्य चिकित्सा शिविर को एक ही स्थान पर आयोजित सबसे बड़ा नि:शुल्क मल्टी-स्पेशियलिटी मेडिकल कैंप के रूप में इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा आधिकारिक मान्यता प्रदान की गई है।

ऐतिहासिक उपलब्धि: सेवा, समर्पण और संगठन का संगम: यह रिकॉर्ड केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि सामूहिक सेवा भावना, उत्कृष्ट प्रबंधन और जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक बनकर सामने आया है। इस विशाल शिविर में हजारों मरीजों को एक ही स्थान पर उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह नि:शुल्क उपलब्ध कराई गईं।

इस शिविर में देशभर से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मरीजों को परामर्श, अत्याधुनिक जांच, आवश्यक दवाइयां और जटिल उपचार सेवाएं प्रदान की गईं, जिससे क्षेत्र के हजारों परिवारों को प्रत्यक्ष लाभ मिला।

सिंधिया का संकल्प: हर जरूरतमंद तक पहुँचे श्रेष्ठ स्वास्थ्य सेवा: इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बताया कि यह रिकॉर्ड केवल आंकड़ों का नहीं, बल्कि हमारे उस संकल्प की सिद्धि है जिसके केंद्र में 'नर सेवा ही नारायण सेवा' की भावना है।

हमारा उद्देश्य है कि क्षेत्र का कोई भी गरीब या जरूरतमंद व्यक्ति बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित न रहे। शिवपुरी की जनता का स्नेह, डॉक्टरों का समर्पण और स्वयंसेवकों की सेवा भावना ने इस कीर्तिमान को संभव बनाया है। यह उपलब्धि शिवपुरी ही नहीं, बल्कि पूरे मध्य प्रदेश के लिए गर्व का विषय बन गई है। उन्होंने इस अवसर पर रोटरी क्लब, सभी चिकित्सकों यानि जानदाताओं, पैरामेडिकल स्टाफ और स्वयंसेवकों को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी।

एक ही छत के नीचे विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं

शिवपुरी में आयोजित इस मेगा मेडिकल कैंप की विशेषता यह रही कि एक ही छत के नीचे मल्टी-स्पेशियलिटी चिकित्सा सेवाओं की व्यापक व्यवस्था की गई। यहाँ नेत्र, दंत, हड्डी जैसी जटिल बीमारियों के निदान से लेकर उन्नत चिकित्सा परामर्श और नि:शुल्क हाई टेक रोबोटिक सर्जरी तक की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। अत्याधुनिक उपकरणों, विशेषज्ञ टीमों और सुव्यवस्थित प्रबंधन के साथ इस शिविर ने यह सुनिश्चित किया कि हर मरीज को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण उपचार मिले। इस पहल ने न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को सुदृढ़ किया, बल्कि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों के लिए चिकित्सा के नए द्वार भी खोले।